इनपुट डिवाइस का परिचय

इनपुट डिवाइस वे डिवाइस होते हैं, जिनके माध्यम से हम डेटा और निर्देश कंप्यूटर में देते हैं, ताकि कंप्यूटर उन्हें प्रोसेस करके उपयोगी जानकारी (आउटपुट) दे सके।

www.championsbooks.shop

परिभाषा :-

इनपुट डिवाइस (Input Device) ऐसे हार्डवेयर होते हैं, जिनके द्वारा उपयोगकर्ता डेटा, निर्देश या सूचनाएँ कंप्यूटर में प्रवेश कराता है।

ये डिवाइस डेटा को विद्युत संकेतों में बदलकर कंप्यूटर की मेमोरी में भेजती हैं।

मुख्य बिंदु

- इनपुट डिवाइस उपयोगकर्ता और कंप्यूटर के बीच संचार का माध्यम हैं।
- इनके द्वारा दिया गया डेटा कंप्यूटर की मेमोरी में स्टोर होता है।
- सभी इनपुट डिवाइस डेटा को बाइनरी (0 और 1) में बदल देती हैं।
- इनपुट डिवाइस के बिना कंप्यूटर कार्य नहीं कर सकता।
- इनपुट डिवाइस डेटा की शुद्धता और गति बढ़ाने में मदद करती हैं।
- इनका उपयोग टेक्स्ट, नंबर, इमेज, ऑडियो, वीडियो आदि इनपुट देने के लिए किया जाता है।

इनपुट डिवाइस के मुख्य कार्य

- डेटा और निर्देश देना।
- डेटा को प्रोसेस करने के लिए कंप्यूटर को तैयार करना।
- यूजर और कंप्यूटर के बीच इंटरैक्शन स्थापित करना।
- डिजिटल जानकारी को इलेक्ट्रॉनिक संकेतों में बदलना।
- कम समय में अधिक और सटीक डेटा इनपुट प्रदान करना।

इनपुट डिवाइस के प्रकार

- टेक्स्ट इनपुट डिवाइस
- पॉइंटिंग डिवाइस
- स्कैनिंग डिवाइस
- ऑडियो इनपुट डिवाइस
- वीडियो इनपुट डिवाइस
- अन्य विशेष इनपुट डिवाइस

प्रमुख इनपुट डिवाइस और उनका उपयोग

डिवाइस	उपयोग
Keyboard	टेक्स्ट, नंबर और कमांड इनपुट करने के लिए।
Mouse	स्क्रीन पर पॉइंटर को नियंत्रित करने के लिए।
Scanner	कागज पर मौजूद टेक्स्ट/इमेज को कंप्यूटर में लाने के लिए।
Microphone	आवाज/ध्वनि इनपुट करने के लिए।
Webcam	वीडियो इनपुट और रिकॉर्ड करने के लिए।
Joystick	गेम और ग्राफिकल नियंत्रण के लिए।
Touchscreen	स्क्रीन को छूकर कमांड देने के लिए।
Barcode Reader	बारकोड स्कैन करके डेटा इनपुट करने के लिए।
Digital Pen/Tablet	हाथ से लिखने या ड्राइंग इनपुट के लिए।

इनपुट डिवाइस के उपयोग के क्षेत्र

- शिक्षा (Education)
- बैंकिंग (Banking)
- स्वास्थ्य (Healthcare)
- व्यापार (Business)
- मनोरंजन (Entertainment)
- डिजाइनिंग एवं ग्राफिक्स (Designing)
- अनुसंधान एवं वैज्ञानिक कार्य (Research)

इनपुट डिवाइस के लाभ

- डेटा इनपुट करना आसान बनाता है।
- समय और मेहनत की बचत होती है।
- डेटा की शुद्धता और विश्वसनीयता बढ़ती है।
- काम की गति और उत्पादकता बढ़ती है।
- यूजर और कंप्यूटर के बीच बेहतर इंटरैक्शन संभव होता है।

"इनपुट सही होगा,
तो आउटपुट निश्चित ही बेहतर होगा।"